Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur

Extension Activities

Environment Conservation

10 March 2022

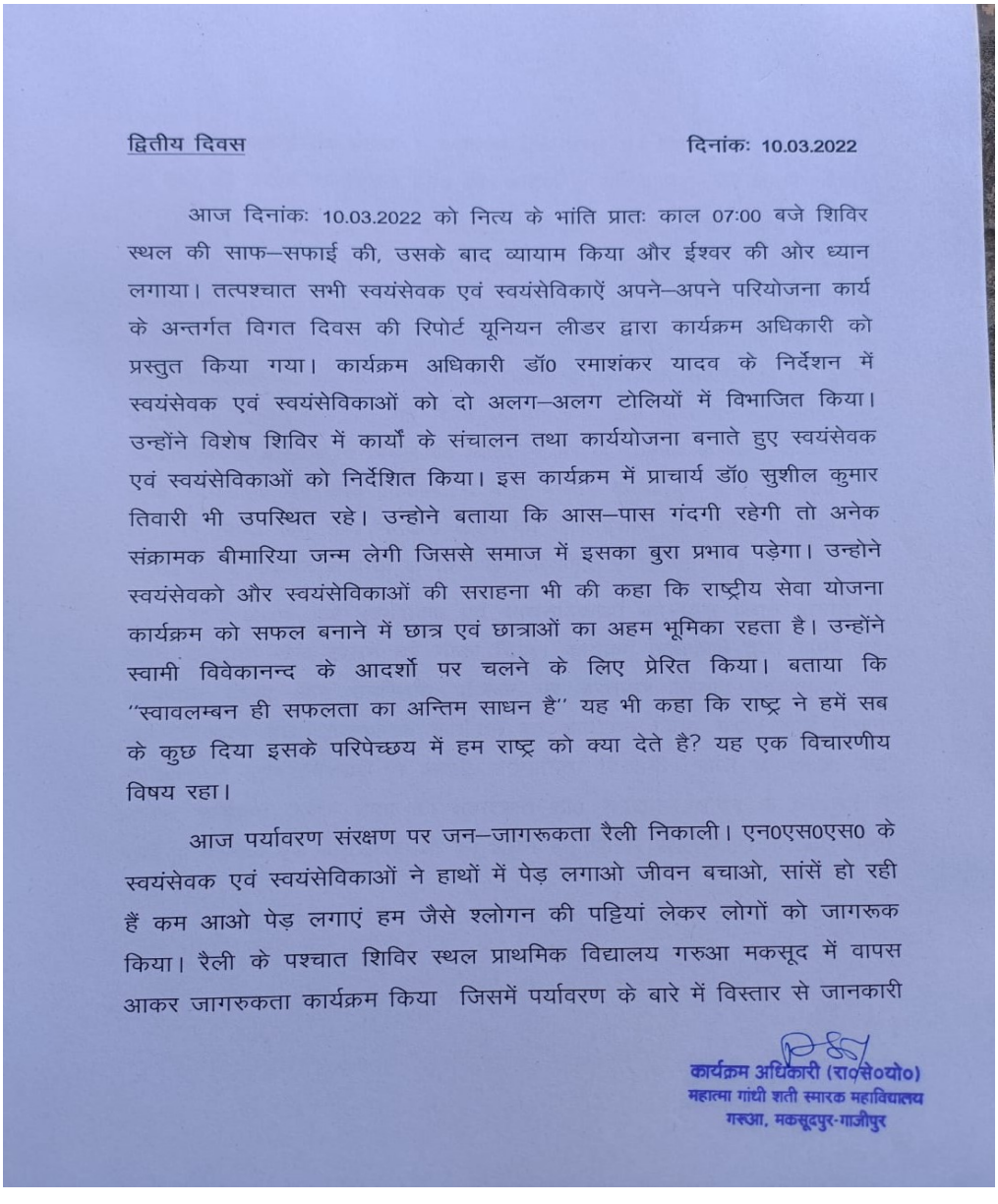

द्वितीय दिवस

दिनांकः 10.03.2022

आज दिनांकः 10.03.2022 को नित्य के भांति प्रातः काल 07:00 बजे शिविर स्थल की साफ–सफाई की, उसके बाद व्यायाम किया और ईश्वर की ओर ध्यान लगाया। तत्पश्चात सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाऐं अपने–अपने परियोजना कार्य के अन्तर्गत विगत दिवस की रिपोर्ट यूनियन लीडर द्वारा कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 रमाशंकर यादव के निर्देशन में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को दो अलग–अलग टोलियों में विभाजित किया। उन्होंने विशेष शिविर में कार्यों के संचालन तथा कार्ययोजना बनाते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को निर्देशित किया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ0 सुशील कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे। उन्होने बताया कि आस–पास गंदगी रहेगी तो अनेक संक्रामक बीमारिया जन्म लेगी जिससे समाज में इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होने स्वयंसेवको और स्वयंसेविकाओं की सराहना भी की कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र एवं छात्राओं का अहम भूमिका रहता है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के आदर्शो पर चलने के लिए प्रेरित किया। बताया कि ''स्वावलम्बन ही सफलता का अन्तिम साधन है'' यह भी कहा कि राष्ट्र ने हमें सब के कुछ दिया इसके परिपेच्छय में हम राष्ट्र को क्या देते है? यह एक विचारणीय विषय रहा।

आज पर्यावरण संरक्षण पर जन–जागरूकता रैली निकाली। एन0एस0एस0 के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने हाथों में पेड़ लगाओ जीवन बचाओ, सांसें हो रही हैं कम आओ पेड़ लगाएं हम जैसे श्लोगन की पट्टियां लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली के पश्चात शिविर स्थल प्राथमिक विद्यालय गरुआ मकसूद में वापस आकर जागरुकता कार्यक्रम किया जिसमें पर्यावरण के बारे में विस्तार से जानकारी

कार्यक्रम अधिकारी (रा0से0यो0)
महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
गरूआ, मकसूदपुर-गाजीपुर

दी। उन्होंने बताया कि मानव व पर्यावरण एक–दूसरे पर निर्भर होते हैं। इसलिए हमें वृक्षों की कटाई को रोकना होगा और अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाने होंगे।

दोपहर 01:00 बजे सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाऐं भोजन किये। दोपहर 02:00 बजे से 03:00 तक सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने विश्राम किया। विश्राम के पश्चात 03:30 तक बौद्विक परिचर्चा के अन्तर्गत मतदाता जागरुकता विषय पर विस्तारपूर्वक बताया एवं समझाया। उन्होने कहा कि 18 वर्ष की उम्र में कोई भी बालक या बालिका मतदाता हो सकता है। मतदाता राजनेताओं का चुनाव करता है। जिससे देश को नई दिशा मिलती है। इस मौके पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा अपने विचार को व्यक्त किया। जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत आज स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने बैनर पोस्टर बनाये एवं हाथों में मेंहदी भी लगायी। मेंहदी लगे हाथ मतदान करने की ओर इशारा कर रहे थे। हाथों एवं कलाइयों पर मतदान सम्बन्धी कार्यक्रम की कलाकृति रचाई गई थी।

सायं 05:00 बजे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को पास स्थित बागीचे में अपने पसंदीदा खेल–खेलने को मौका दिया। कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कार्यो का मूल्यांकन किया और उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर लिया। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सायं भोजन कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने अपनी सहभागिता दिखायी। रात्रि के 08:30 बजे भोजन कार्यक्रम प्रारम्भ होता है। तत्पश्चात डॉ0 रमाशंकर यादव के निर्देशन में सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को शयन हेतु शिविर स्थल जाने के लिए आज्ञा दिया गया।

कार्यक्रम अधिकारी (रा०से०यो०)
महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
गरूआ, मकसूदपुर-गाजीपुर

जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार प्रस्तुत करती महाविद्यालय की प्रध्यापिका